भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अ.सं.

समाचार

खण्ड 20 संख्या 01 अप्रैल-जून, 2015

- अनुसंधानिक उपलब्धियाँ
- मानव संसाधन विकास
- पुरस्कार एवं सम्मान
- गतिविधियों के परिदृश्य
- प्रकाशन
- प्रस्तुत व्याख्यान
- सहभागिता
- परामर्शी/ सलाहकार सेवाएँ
- कार्मिक

निदेशक की कलम से . . .

समाचार पत्र के इस अंक में प्रतिवेदनाधीन अवधि के दौरान प्रमुख अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संबंधी उपलब्धियों एवं संस्थान की अन्य महत्वपूर्ण गतिविधियों पर प्रकाश डाला गया है।

"लॉन्ग मेमोरी पद्धतियों के साथ समय-श्रृंखलाओं की मॉडलिंग और पूर्वानुमान" अध्ययन में यह पाया गया कि रिटर्न तथा स्क्वायर्ड रिटर्न स्पॉट मूल्य श्रृंखलाओं के आँकड़े दोनों स्थायी हैं। चने के स्पॉट मूल्यों की रिटर्न और स्क्वायर्ड रिटर्नों में लॉन्ग मेमोरी परीक्षण के लिए जीपीएच परीक्षणों का अनुप्रयोग कर यह पाया गया कि रिटर्न श्रृंखलाओं के लिए परीक्षण में एलएम पैटर्न का कोई प्रमाण नहीं पाया गया, क्योंकि परसिसटेंस रहित नगण्य हाइपोथिसिस को निरस्त नहीं किया गया था। स्क्वायर्ड रिटर्न के लिए परिणाम रिटर्नों के परिणाम से अलग थे। वास्तव में, लॉन्ग मेमोरी प्रॉपर्टी को स्क्वायर्ड रिटर्नों के लिए काफी महत्वपूर्ण पाया गया।

सीरियल ESTDb अध्ययन के तहत अनाजों के अजैविक दबाव प्रेरित, एनोटेटड ईएसटी के लिए एक खोज योग्य डाटाबेस विकसित किया गया। यह प्रयोक्ता - हितैषी, मेन्यू ड्राइवन, इंटरेक्टिव और वेब-आधारित डाटाबेस है, जिसे सीरियल ईएसटीडीबी कहते हैं। इस डाटाबेस में शीत, ताप, सूखा, लवणीयता दबाव के तहत प्रेरित चावल, गेहूं, ज्वार और मक्का के संयोजित एवं ऐनोटेटड ईएसटी तथा एबीए का ऑन एप्लीकेशन है। यह जीनों, ऑनटोलॉजी और इन ईएसटी के संबंधित समानुरूपी मार्गों के बारे में भी सूचना उपलब्ध कराएगा।

ईलास्टिक ईलास्टिक शेप अनालिसिस (ईएसएस) का प्रयोग करते हुए प्रोटीन संरचना की तुलना करने के लिए एक उत्कृट पद्धति विकसित की गई, जिसमें प्रोटीन संरचनाओं के 3डी कोआर्डिनेट एटमों के अनुक्रम का प्राचलीकृत वक्र के रूप में उपयोग किया गया, जिसे साइड-चेन प्रापर्टीज़ के आधार पर सहायक सूचना को शामिल कर संपूरित किया गया।

पांच प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए, एक भा.कृ.अनु.प. के शिक्षा प्रभाग द्वारा प्रायोजित, एक कृषि मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित तथा तीन भाकृसांअसं, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम। इसके अतिरिक्त, चार राष्ट्रीय कार्यशालाओं का भी आयोजन किया गया।

संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा विभिन्न पुरस्कार और सम्मान प्राप्त किए गए हैं। संस्थान के लिए यह एक गौरव की बात है कि डॉ. हुकुम चन्द्र ने सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार से सांख्यिकी 2014-15 में राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किया। वैज्ञानिकों ने उन्हें सौंपे गए विभिन्न कार्यों के लिए अनेक देशों का दौरा किया। प्रतिवेदनाधीन अवधि के दौरान दस नई परियोजनाएँ आरंभ की गईं। संस्थान के वैज्ञानिकों ने 24 शोध पत्रों, 09 परियोजना रिपोर्टों, 04 प्रशिक्षण मेनुवलों का प्रकाशन किया। इसके अलावा, 04 डाटाबेस और एक ई-लर्निंग पोर्टल भी विकसित किया गया जिसे संस्थान की वेबसाइट में उपलब्ध कराया गया। इसके अतिरिक्त, वैज्ञानिकों द्वारा 04 आमंत्रित व्याख्यान प्रदान किए गए। वैज्ञानिकों ने विभिन्न सम्मेलनों/ संगोष्ठियों/ कार्यशालाओं आदि में सहभागिता की।

आशा है कि इस अंक की विषय-वस्तु राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रणाली (एनएआरईएस) के वैज्ञानिकों के लिए सूचनाप्रद एवं उपयोगी होगी। समाचार-पत्र की विषय-वस्तु में सुधार लाने हेतु आपके सुझावों का स्वागत है।

(यू. सी. सूद)

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अ.सं. समाचार

खण्ड 20 संख्या 01 अप्रैल-जून, 2015

अनुसंधानिक उपलब्धियाँ

- **लॉन्ग मेमोरी पद्धतियों के साथ समय श्रृंखलाओं की मॉडलिंग और पूर्वानुमान :** रिटर्नों की उच्च आवृत्ति वाली वित्तीय समय-श्रृंखलाओं का प्राय: ऐसा वर्णन किया जाता है कि उनमें कुरटोसिस एवं स्व-सहसंबंधित स्क्वायर्ड प्रेक्षण अधिक होते हैं। इसके अलावा, इन स्व-सहसंबंधों का धीरे-धीरे क्षय हो जाता है, जो यह सुझाव देते हैं कि स्क्वायर्ड रिटर्नों का वर्णन एक लॉन्ग मेमोरी पद्धति के रूप में किया जा सकता है। इस प्रॉपर्टी का वर्णन लॉन्ग-मेमोरी स्टाकेस्टिक वोलेटेलिटी (एलएमएसवी) मॉडल में सबसे बेहतर ढंग से किया जा सकता है। एलएमएवी अनुप्रयोग के लिए 01 जनवरी, 2009 से 31 जुलाई, 2013 के दौरान दिल्ली बाजार में चने के स्पॉट मूल्यों के लिए दैनिक समय श्रृंखला आँकड़ों पर विचार किया गया। उपभोक्ता मामले मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आँकड़ें संग्रहित किए गए। मॉडल का निर्माण करने हेतु 1 जनवरी, 2009 से 30 जून, 2013 के लिए आँकड़ों का उपयोग किया गया और शेष आँकड़ों का उपयोग मॉडल के वैधीकरण के लिए किया गया। यह पाया गया कि रिटर्न तथा स्क्वायर्ड रिटर्न स्पॉट मूल्य श्रृंखला डाटा दोनों स्थायी हैं। हमने चने के रिटर्न और स्पॉट मूल्यों के स्क्वायर्ड रिटर्नों पर लॉन्ग मेमोरी के परीक्षण हेतु जीपीएच परीक्षणों का अनुप्रयोग किया। रिटर्न श्रृंखलाओं के लिए, परीक्षण में एलएम पैटर्नों में कोई भी प्रमाण नहीं पाया गया क्योंकि परसिसटेंस रहित नगण्य हाइपोथिसिस को निरस्त नहीं किया गया था। स्क्वायर्ड रिटर्न के लिए परिणाम रिटर्नों के परिणाम से अलग था। वास्तव में, लॉन्ग मेमोरी प्रॉपर्टी को स्क्वायर्ड रिटर्नों के लिए काफी महत्वपूर्ण पाया गया। चूंकि स्क्वायर्ड रिटर्न उतार-चढ़ाव (वोलेटेलिटी) के लिए एक बेहतर विकल्प हैं, अत: ये निष्कर्ष ऐसा सुझाव देते हैं कि रिटर्न का सप्रतिबंधित उतार-चढ़ाव एक दायरे में स्थिर रहेगा और उसमें धीरे-धीरे गिरावट आएगी। अन्य शब्दों में, इस उतार-चढ़ाव की निरंतरता को एलएमएसवी पद्धति द्वारा उपयुक्त रूप से मॉडल किया जा सकता है क्योंकि इसमें लॉन्ग मेमोरी संव्यवहार तथा उतार-चढ़ाव के संघातों के प्रभाव में धीरे-धीरे गिरावट को दर्ज करने की सुविधा है। तथापि, यह ध्यान देना महत्वपूर्ण है कि एलएम पैरामीटर d का आकलन स्क्वायर्ड रिटर्न के लिए 0.5 से कम है, जो पद्धति की अचलता का सूचक है।

- **सीरियल ईएसटीडीबी: अनाजों के अजैविक दबाव प्रेरित एनोटेटड ईएसटी के लिए एक खोज योग्य डाटाबेस :** अनाज विभिन्न अजैविक दबावों के प्रति काफी संवेदनशील हैं, जिससे अनाजों की उत्पादकता और गुणवत्ता में भारी गिरावट आती है। इन अजैविक दबावों का प्रभाव विशेष रूप से परिवर्ती जलवायु स्थितियों में अधिक होता है। इसे ध्यान में रखते हुए अभिव्यंजकता अनुक्रमित टैग (ईएसटी), माइक्रोएरे, RNASeq आदि जैसे दबाव प्रेरित ट्रांस्क्रिप्टों पर हाल ही के समय में काफी आँकड़ें सृजित किए गए हैं। तथापि, अनाजों के दबाव प्रेरित ईएसटी पर आँकड़ों का अधिकतर अल्प उपयोग हुआ है क्योंकि वह छिन्न-भिन्न हैं। अत: बायोलॉजीकल पद्धति में प्रकाश डालना सही नहीं है। इसलिए, एक प्रयोक्ता, खोज योग्य, इंटरेक्टिव तथा वेब आधारित डाटाबेस, नामत: सीरियल ईएसटीडीबी सृजित किया गया है। इस डाटाबेस में शीत, ताप, सूखा, लवणीयता दवाब के तहत प्रेरित चावल, गेहूं, ज्वार और मक्का के संयोजित एवं ऐनोटेटड ईएसटीडी तथा एबीए का ऑन एप्लीकेशन है। यह जीनों, ऑनटोलॉजी और इन ईएसटी के संबंधित समनुरूपी मार्गों के बारे में भी सूचना उपलब्ध कराएगा। यहां रिपोर्ट किए गए कुछ जीन स्वरूप में तथाकल्पित और नूतन हैं। इस डाटाबेस को सृजित करने का आशय अजैविक दबाव प्रशमन/ पद्धति के लिए आण्विक स्तर पर जीवविज्ञानी प्रकम का ब्यौरा प्रस्तुत करना है। CerealESTDb में जीनों, पाथवेज और जीन ऑन्टोलॉजी शब्दावलियों की विशिष्ट प्रविष्टियाँ हैं और इसके लिए http://cabgrid.res.in/CerealESTDb पर संपर्क किया जा सकता है।

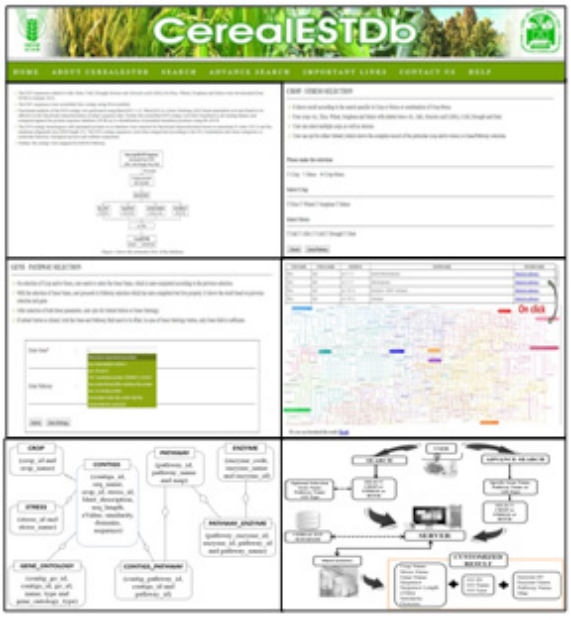

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अ.सं. समाचार
खण्ड 20 संख्या 01 अप्रैल-जून, 2015

- **प्रोटीन संरचना तुलनाओं के लिए एल्गोरिथ्म :** प्रोटीन संरचना तुलना नए प्रोटीन के इन-सिलिको फलनात्मक पूर्वानुमान में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसका उपयोग प्रोटीन में विकासात्मक संबंधों को समझने, प्रोटीन संरचना का पूर्वानुमान करने तथा फलनों के लिए भी किया जाता है। इस अध्ययन में, इलास्टिक शेप अनालिसिस (ईएसए) का प्रयोग करते हुए प्रोटीन संरचना की तुलना करने के लिए एक उत्कृष्ट पद्धति विकसित की गई है जिसमें प्रोटीन संरचनाओं के 3डी कोआर्डिनेट एटमों के अनुक्रम का उपयोग प्राचलीकृत वक्र के रूप में किया गया है, जिसे साइड-चेन प्रॉपर्टीज के आधार पर सहायक सूचना को शामिल कर संपूरित किया गया है। इस वक्र का प्रतिनिधित्व एक विशेष फलन, नामत: स्क्वायर्ड वेलोसिटी फंक्शन (एसआरवीएफ) द्वारा किया जाता है। इसके अतिरिक्त, प्रोटीनों के इष्टतम आवर्तन और इष्टतम सुमेलन के लिए सिंगुलर डिकम्पोजिशन (एसवीडी) और डाइनामिक प्रोग्रामिंग का अनुप्रयोग किया गया। इसके अलावा, जियोडेसिक दूरी का परिकलन किया गया और असृदश्यता स्कोर के रूप में उपयोग किया गया। विकसित पद्धति के निष्पादन की जांच की गई और वर्तमान विधियों की तुलना में इसे ज्यादा बेहतर पाया गया। विभिन्न फलनों के लिए सोर्स कोडों को R में विकसित किया गया। इसके अलावा, प्रोटीन संरचनाओं की तुलना करने के लिए उपरोक्त एलगोरिथ्म का प्रयोग करते हुए प्रयोक्ता हितैषी वेब-आधारित अनुप्रयोग, नामत: ProtSComp विकसित किया गया, जिसे प्रयोक्ताओं द्वारा नि:शुल्क एक्सेस किया जा सकता है।

Home page of ProtSComp after user has logged in

पुरस्कार एवं सम्मान

- डॉ. हुकुम चन्द्र ने दिनांक 29 जून, 2015 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार से सांख्यिकी 2014-15 में राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किया। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार के माननीय राज्य मंत्री, जनरल (डॉ.) वी. के. सिंह द्वारा पुरस्कार प्रदान किया गया।

- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को सांख्यिकी, संगणक एवं अनुप्रयोग सोसायटी के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में नामित किया गया।
- डॉ. तौकीर अहमद को सांख्यिकी एवं प्रचालन अनुसंधान विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ के शिक्षा बोर्ड के सह-सदस्य (बी. ओ. एस.) के रूप में नामित किया गया।
- डॉ. एम ए इकबाल ने भा.कृ.अनु.प. - सीआईएफए, भुवनेश्वर में कैबिन नेटवर्क स्कीम के तहत "मछली जिनोमिक के लिए जैवसूचना विज्ञान टूलों" पर एक कार्यशाला का आयोजन करने के लिए भा.कृ.अनु.प. - सीआईएफए, भुवनेश्वर के निदेशक से एक प्रशंसा पत्र प्राप्त किया।
- डॉ. सारिका ने भा.कृ.अनु.प. - सीआईएफए, भुवनेश्वर में कैबिन नेटवर्क स्कीम के तहत "मछली जिनोमिक के लिए जैवसूचना विज्ञान टूलों" पर एक कार्यशाला का आयोजन करने के लिए भा.कृ.अनु.प. - सीआईएफए, भुवनेश्वर के निदेशक से एक प्रशंसा पत्र प्राप्त किया।
- डॉ. दिनेश कुमार ने भा.कृ.अनु.प. - सीआईएफए, भुवनेश्वर में कैबिन नेटवर्क स्कीम के तहत "मछली जिनोमिक के लिए जैवसूचना विज्ञान टूलों" पर कार्यशाला में योगदान देने के लिए भा.कृ.अनु.प. - भा.कृ.सां.अनु.सं. के निदेशक के माध्यम से भा.कृ.अनु.प. - सीआईएफए, भुवनेश्वर के निदेशक से एक प्रशंसा पत्र प्राप्त किया।
- डॉ. हुकुम चन्द्र ने दिनांक 18 मई, 2015 को नई दिल्ली में एग्रि सर्च 2050 में "2050 में कृषि सांख्यिकी, कृषि आर्थिकी, विस्तार शिक्षा और गृह विज्ञान" पर तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।

प्रारंभ की गई नई परियोजनाएँ

- कृषि महत्वपूर्ण जीवाणु के लिए एक परिपूर्ण वेब आधारित प्रणाली का विकास (एनबीएआईएम, मऊ के साथ सहयोग) एजीईएनआईएएसआरआईसीआईपी 201500500042, दिनांक 01.04.2015 से।
- भा.कृ.अनु.प. - ईआरपी, एकीकृत संचार और वेब हॉस्टिंग सॉल्यूशन का कार्यान्वयन। एजीईएनआईएएसआरआईएसआईएल 201500600043, दिनांक 10.04.2015 से।
- कृषि जिंस बाजार में मूल्य दक्षता का एक अध्ययन। एजीईएनआईएएसआरआईएसआईएल 201500700044, दिनांक 13.05.2015 से।
- समय श्रृंखला आँकड़ों की गैर-प्राचलीकरण मॉडलिंग के लिए पद्धति का विकास और कृषि में इसका अनुप्रयोग। एजीईएनआईएएसआरएसआईएल 201500800045, दिनांक 06.06.2015 से।
- भैंसों में निष्पादन विशेषकों के संबंध में आनुवांशिक विविधता की संगणात्मक पहचान और मॉडलिंग। एजीईएनआईएएसआरआईसीओपी 201500900046 (सीआईआरबी, हिसार के सहयोग से), दिनांक 06.06.2015 से।
- दलहनों में आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण मार्करों और विषाणु नैदानिकों की पहचान के लिए जिनोम डाटा विश्लेषण। एजीईएनआईएएसआरआईसीओपी 201501000047 (आईआईपीआर, कानपुर के सहयोग से), दिनांक 06.06.2015 से।
- काली मिर्च और छोटी इलाइची के गैर-जीवाणिक पेप्डाइडो पर कंडीडेंट जीन मार्करों की माइनिंग एवं वैधीकरण और संवीक्षा। एजीईएनआईएएसआरआईसीओपी 201501100048 (आईआईएसआर, लखनऊ के सहयोग से), दिनांक 05.06.2015 से।
- जिनोम सूचना के दोहन के लिए संगणात्मक अप्रोच और उत्कृष्ट किस्मगत विकास के लिए गेहूँ फिनोम के साथ इसका समेकन। एजीईएनआईएएसआरआईसीओपी 20150120004 (आईआईडब्ल्यूबीआर, करनाल के सहयोग से), दिनांक 15.06.2015 से।
- आर्थिक महत्ता के विशेषकों के लिए फलनात्मक एवं रेगुलेटरी जिनोम की पहचान के लिए बैंगन और करेले के अनुक्रम डाटा का जैवसूचना विज्ञान संबंधी विश्लेषण। एजीईएनआईएएसआरआईसीओपी 201501300050 (एनबीपीजीआर, नई दिल्ली के सहयोग से), दिनांक 16.06.2015 से।
- लेबियो प्रजाति में बेहतर कार्बोहाइड्रेट उपयोग के लिए मेटाबॉलिक पाथवे को अलग करने हेतु जीवाण्विक एवं संगणनात्मक अप्रोच। एजीईएनआईएएसआरआईसीओपी 201501400051 (सीआईएफए, मुम्बई के सहयोग से), दिनांक 16.06.2015 से।

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अ.सं. समाचार

खण्ड 20 संख्या 01 अप्रैल-जून, 2015

मानव संसाधन विकास

आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम/ कार्यशालाएँ

क्र.सं.	शीर्षक	स्थान	दिनांक	प्रायोजक	प्रतिभागियों की सं.
		प्रशिक्षण कार्यक्रम			
1.	भा.कृ.अनु.प. के तकनीकी कर्मियों के लिए परीक्षणों की डिजाइन और विश्लेषण कार्यक्रम समन्वयक: डॉ. सुशील सरकार डॉ. सुकांता दास	भा.कृ.सां.अनु.सं., नई दिल्ली	20-25 अप्रैल, 2015	भा.कृ.अनु.प. शिक्षा प्रभाग भा.कृ.अनु.प.	16
2.	पे-रोल पर विशेष ध्यान देते हुए एमआईएस - एफएमएस परियोजना के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम समन्वयक : डॉ. संगीता आहूजा श्री एन एन इस्लाम	भा.कृ.सां.अनु.सं., नई दिल्ली	15-18 अप्रैल, 2015 11-16 मई, 2015 28-30 मई 2015	भा.कृ.सां.अनु.सं., नई दिल्ली	20 24
3.	समेकित प्रतिदर्श सर्वेक्षण पद्धति पर एक पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रमसमन्वयक: डॉ. हुकुम चन्द्र डॉ. कौस्तव आदित्य	भा.कृ.सां.अनु.सं., नई दिल्ली	08-12 जून, 2015	कृषि मंत्रालय, भारत सरकार	22
4.	एमआईएस/ एफएमएस परियोजना के अंतर्गत पे-रोल और एचआर मॉड्यूल के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमसमन्वयक: डॉ. एस एन इस्लाम	भा.कृ.सां.अनु.सं., नई दिल्ली	22-24 जून, 2015	भा.कृ.सां.अनु.सं., नई दिल्ली	18
5.	सॉफ्टवेयर का प्रयोग करते हुए सांख्यिकी विश्लेषण पर स्नातक छात्रों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमसमन्वयक: डॉ. सीमा जग्गी डॉ. एल्दो वर्गीस	भा.कृ.सां.अनु.सं., नई दिल्ली	01 जून-15 जुलाई, 2015	भा.कृ.सां.अनु.सं., नई दिल्ली	2
		कार्यशालाएँ			
6.	भा.कृ.अनु.प. - सीआईएफए, भुवनेश्वर के साथ संयुक्त रूप से आयोजित मछली जिनोमिक के लिए जैवसूचना विज्ञान टूलों पर कार्यशाला समन्वयक: डॉ. एम ए इकबाल	भा.कृ.अनु.प.-सीआईएफए, भुवनेश्वर	21-22 अप्रैल, 2015	कैबिन स्कीम	18
7.	भाकृअसं के कर्मियों के लिए विशेष रूप से "पे-रोल एवं एच आर मॉड्यूल" पर चार दिवसीय कार्यशाला समन्वयक: डॉ. मुकेश कुमार	भा.कृ.सां.अनु.सं., नई दिल्ली	05-08 मई, 2015	भा.कृ.सां.अनु.सं., नई दिल्ली	41
8.	डीबीटी मछली जिनोम परियोजना: साझेदारों की दूसरी बैठक समन्वयक: डॉ. दिनेश कुमार	भा.कृ.सां.अनु.सं., नई दिल्ली	07 मई, 2015	डीबीटी, नई दिल्ली	9
9.	गेहूँ में डाटा-सघन जिनोम विश्लेषण का संवर्धन करने पर कार्यशाला समन्वयक: डॉ. सारिका	भा.कृ.अनु.प.- आईआई डब्ल्यूबीआर, करनाल	12-14 मई, 2015	कैबिन स्कीम	12

विदेश दौरे

- डॉ. यू सी सूद, निदेशक, भा.कृ.सां.अनु.सं. ने दिनांक 15-18 अप्रैल और 23 जून से 01 जुलाई, 2015 के दौरान खाद्य एवं कृषि संगठन (एफ. ए. ओ.) मुख्यालय, रोम, इटली में आयोजित फसल कटाई उपरांत हानियों के आकलन के लिए मिश्रित एवं निरंतर फसलीकरण तथा सुधार विधियों के अंतर्गत क्षेत्र, उपज और उत्पादन का आकलन करने के लिए विधियों में सुधार लाने पर विशेषज्ञों की बैठक में सहभागिता करने हेतु एफएओ, रोम का दौरा किया।
- डॉ. तौकीर अहमद, प्रधान वैज्ञानिक ने दिनांक 15-18 अप्रैल, 2015 के दौरान खाद्य एवं कृज़ि संगठन (एफ. ए. ओ.) मुख्यालय, रोम, इटली में आयोजित फसल कटाई उपरांत हानियों के आकलन के लिए मिश्रित एवं निरंतर फसलीकरण तथा सुधार विधियों के अंतर्गत क्षेत्र, उपज और उत्पादन का आकलन करने के लिए विधियों में सुधार लाने पर विशेषज्ञों की बैठक में सहभागिता करने हेतु एफएओ, रोम का दौरा किया।
- डॉ. हुकुम चन्द्र, राष्ट्रीय फैलो, भा.कृ.अनु.प., ने दिनांक 16-26 जून, 2015 के दौरान श्रीलंका में कृषि एवं ग्रामीण सांख्यिकी में सुधार लाने हेतु वैश्विक कार्यनीति के अंतर्गत अल्पावधि एफएओ परामर्शी सेवा देने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय परामर्शदाता के रूप में श्रीलंका का दौरा किया।

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अ.सं. समाचार

खण्ड 20 संख्या 01 अप्रैल-जून, 2015

गतिविधियों के परिदृश्य

- दिनांक 01 अप्रैल, 2015 को भा.कृ.सां.अनु.सं.के निदेशक की अध्यक्षता में संस्थान संयुक्त कर्मचारी परिषद की बैठक आयोजित की गई।
- दिनांक 24 अपैल, 2015 को संस्थान के निदेशक की अध्यक्षता में आरएफडी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में संस्थान के आरएफडी 2014-15 से संबंधित वर्ष 2014-15 की वार्षिक उपलब्धियों का प्रस्तुतीकरण किया गया। संस्थान के आरएफडी 2015-16 के प्रारूप पर भी विचार-विमर्श किया गया।
- दिनांक 27 अपैल, 2015 को "प्रोफेसर वैद्यानाथन समिति रिपोर्ट द्वारा अनुशंसित प्रतिदर्श आकारों के आधार पर फसल क्षेत्र और उत्पादन के राज्य स्तरीय आकलन के लिए प्रायोगिक अध्ययन" परियोजना के लिए संस्थान में एक विशेषज्ञों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में डॉ. पदम सिंह, डॉ. एस के रहेजा, डॉ. बीबीपीएस गोयल और डॉ. ए के श्रीवास्तव को विशेषज्ञों के रूप में आमंत्रित किया गया। प्रतिदर्श अभिकल्पना, जिसे इस परियोजना के अंतर्गत आँकड़ों को संग्रहीत करने के लिए अंगीकृत किया जाना है, के बारे में एक विस्तृत चर्चा की गई।

प्रदान किए गए सेमिनार

संस्थान के वैज्ञानिकों और छात्रों द्वारा कृषि सांख्यिकी, संगणक अनुप्रयोग और जैवसूचना विज्ञान के अनेक क्षेत्रों में सेमिनार प्रदान किए गए। इन सेमिनारों में संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा पूरी की गई अनुसंधान परियोजना के प्रमुख निष्कर्षों का प्रस्तुतीकरण और वैज्ञानिकों द्वारा नए परियोजना प्रस्ताव, एम.एससी. एवं पीएच.डी. (कृषि सांख्यिकी), एम.एससी. (संगणक अनुप्रयोग) और एम.एससी. (जैव-सूचना विज्ञान) के छात्रों के शोध प्रबंध/ओआरडब्ल्यू/पाठ्यक्रम सेमिनार सम्मिलित थे। दिनांक 08 जून, 2015 को प्रो. बिकास सिन्हा, पूर्व सदस्य, राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग और प्रो. भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कोलकाता द्वारा एक अतिथि व्याख्यान प्रदान किया गया। सेमिनार का शीर्षक "इनटू दि मिसरियस वर्ल्ड ऑफ P द बरनॉली पेरामीटर" था।

प्रदान किए गए सेमिनारों का विवरण

श्रेणी	सेमिनार का विवरण	संख्या
छात्र	पाठ्यक्रम	08
	ओआरडब्ल्यू	05
	शोध प्रबंध	09
	ओपन सेमिनार	01
वैज्ञानिक	परियोजना पूर्णता	01
	परियोजना प्रस्ताव	01
अतिथि		01
कुल		**26**

प्रकाशन

अनुसंधान पत्र

- बालाकृष्णन, आर, वासन, एम, पडारिया, आर एन, सिंह, पी एवं वर्गीस, ई (2014)। किसानों में ई-लर्निंग को बढ़ावा देने के लिए ई-लर्निंग और कार्यनीतियों में समस्याओं का विश्लेषण। *इकोनोमिक्स अफेयर्स*, **59**, 727-734.
- बसक, पी, चन्द्र, एच, सूद, यू सी एवं लाल, एस बी (2013)। लॉग्न ट्रांसफॉम मॉडल के अंतर्गत विषम चर के लिए पापुलेशन टोटल का पूर्वानुमान। *इंट.जे.एग्रीकल्च.स्टेस्टिट.साइं.*, **9**, सपलीमेंट 1, 143-154.
- भाटिया, के, आसरे, आर एवं वर्गीस, ई (2015)। न्यूनतम रूप से प्रसंस्कृत अनार (*पुनीसाग्रेनेटुमएल.*) एरिल किस्म मृदुल की सही पैकेजिंग, प्रतिधारित पादप रसायनकों तत्वों, एंटीऑक्सीडेंट गुणधर्मों से निधानी आयु (शेफ लाइफ) बढ़ती है। *जे.साइं.इंडस्ट्रियल रेस.*, **74**, 141-144.
- भौमिक, ए, जग्गी, एस, वर्गीस, सी एवं वर्गीस, ई (2015)। गैर-योजक मॉडल के अंतर्गत प्रतिवेश इकाइयों से अन्योन्यक्रिया प्रभावों के साथ इष्टतम ब्लॉक अभिकल्पनाएँ। *कॉम.स्टेस्टिट.थियोमेड्थस*, **44(10)**, 2092-2103.
- गुप्ता, एस, जादौन, ए, कुमार, एच, राज, यू, भारद्वाज, पी के एवं राव, ए आर (2015)। प्लासमोडियम फेलसीपारूम के सेराइन/थ्रियोनाइन प्रोटीन फास्फेटेस 5 के लिए अवरोधकों जैसे नई औषधि का अन्वेषण। *जे.बॉयोमॉलीक्यूलर स्ट्रक्चर एवं डायनामिक्स*, डीओआई: 10. 1080/07391102.2015. 1051114.

- जेरोम, ए, पांडे, ए के एवं सरकार, एस के (2015)। भैंस के कंडिडेट जीनों में एम्ब्रयोनिक विकास को नियंत्रित करने वाले एकल निकिलियोटाइट पालीमॉरफिज्म की होमोलॉजी मॉडलिंग। *इंड.जे.एनिम.साइं.*, **85 (6),** 578-583.
- जोशी, एम ए, अग्रवाल, डी, पांडे, ए, बिंड, डी एवं आलम, डब्ल्यू (2015)। आनुवांशिक अभिसरण के कृषि-आकारिकीय लक्षणों और मूल्यांकन के आधार पर चावल किस्मों के विशिष्ट रूप रेखाओं का सृजन। *रेस.ऑनक्रॉप्स*, **16(2),** 311-319.
- काले, एस जे, झा, एस के, झा, जी के, सिंहा, जे पी एवं लाल, एस बी (2015)। बासमती चावल के रासायनिक सम्मिश्रण, ग्लाइसेमिक, सूचकांक और स्ट्रॉच लक्षणों में सोकिंग प्रेरित परिवर्तन। *राइस साइं.*, **22(4)**, *डीओआई*: 10.1016/एस1672-6308(14) 60296-1.
- कोलटेस, जे ई, कुमार, डी, कटारिया, आर एस, कूपर, वी, रिसी, जे एम (2015)। पीआरकेजी 2 के नगण्य विकास ग्रोथ प्लेट की ट्रांसक्रिप्शनल की रूपरेखा पीआरकेजी-2 के प्यूटेटिव डाउन स्ट्रीम लक्ष्यों की पहचान करता है। *बीएमसीरेसनोट्स*, **8(1),** 177. डीओआई: 10.1186/एस 13104-015-1136-6.
- कुमार, आर. भौमिक, ए. चकदार, एच, इलूमलाई, एस एवं पब्बी, एस (2015)। विभिन्न स्थानों से वियोजित कायनोबेक्टीरिया का जैव रासायनिक लक्षणवर्णन और विविधता विश्लेषण। *वेजिटॉस*, **28(1),** 38-48.
- कुशवाहा, बी, कुमार, आर, अग्रवाल, एस, पांडे, एम, नागपुरे, एन एस, सिंह, एम, श्रीवास्तव, एस, जोशी, सी जी, दास, पी, शाह, टी एम, पटेल, ए बी, पटेल, एन, कोरिंगा, पी, दास, एस पी, पटनायक, एस, बिट, ए, सारिका, इकबाल, एम ए, कुमार, डी एवं जीना, जे के (2014)। डब्ल्यू जीएस डाटा से पुन: प्राप्त किए गए सी.ब्रेटाकस माइटोजिनोम की असेम्बली और विविधता विश्लेषण तथा अन्य कैट फिशों के साथ इसका जातिवृत्तिय संबंध। *मेटाजीन.*, **5,** 105-114.
- लामा, ए, झा, जी के, पॉल, आर के एवं गुरुंग, बी (2015)। मूल्य में उतार-चढ़ाव की मॉडलिंग और पूर्वानुमान: ग्रार्च एवं ई-ग्रार्च मॉडलों का एक अनुप्रयोग। *एग्रिल. इको. रेस. रेव.*, **28(1),** 73-82.
- निगम, डी, कादिमी, पी के, कुमार, एस, मिश्रा, डी सी एवं राय, ए (2015)। माइक्रो आरएनए लक्षण सामुदायिक नेटवर्क के संगणात्मक विश्लेषण से विभिन्न मेटाबोलिज्म के क्रॉस टॉक का प्रकटीकरण। *जिनोमिक डाटा*, **5,** 292-296.
- ओझा, एस एवं भर, एल एम (2015)। सहसंबंधित त्रुटि के साथ अभिकल्पित परीक्षणों में आउट लॉयरों की खोज। *जे. इंड. सोस. एग्रिल. स्टेस्टिट.*, **69(1),** 57-63.
- पाल, एस, प्रज्ञेषु एवं घोष, एच (2015)। मोटोनिकली गैर - अपचयित स्थितियों के लिए समेकित विकास दरों के आकलन हेतु एक नूतन वेब आधारित WebECGR पैकेज का विकास। *एग्रिले.इको. रेस. रेव.*, **28(1),** 163-170.
- पाल, एस, प्रज्ञेषु एवं घोष, एच (2015)। WebECGR पैकेज का प्रयोग करते हुए अरैखिक विकास मॉडलों के माध्यम से गैर-मोनोटॉनिक स्थितियों के लिए समेकित विकास दरों का आकलन। *जे. इंड. सोस. एग्रिल. स्टेस्टिट.*, **69(1),** 95-100.
- पॉल, आर के, सामंता, एस एवं गुरुंग, बी (2015)। लॉन्ग मेमोरी पैरामीटर के विभिन्न आकलकों की तुलना के लिए मॉन्टे कार्लो अनुकार: जिंस मूल्यों के पूर्वानुमान के लिए एआरएफआईएमए (अर्फिमा मॉडल) का एक अनुप्रयोग। *मॉडल एस्सिटेड स्टेस्टिट. एप्लीकेशन*, **10(2),** 116-127.
- सरकार, आर के, राव, ए आर, मेहर, पी के, नेपोलियन, टी एवं महापात्रा, टी (2015)। जिनोम-वार एसएनपी से प्रजनन महत्ता के पूर्वानुमान के लिए यादृच्छिक फॉरेस्ट समाश्रयण का मूल्यांकन। *जे. जीनेट.*, डीओआई: 10.1007/एस 12041-015-0501-5.
- सेनगुप्ता, ए, ग्रोवर, एम, चक्रवर्ती, ए, सक्सेना, एस (2015)। HEPNet: किसी व्यक्ति विष्ठोज़ की उर्जा उपलब्धता स्थिति का पूर्वानुमान करने के लिए मानव उर्जा पूल नेटवर्क का एक ज्ञान आधारित मॉडल। *PLoS ONE*, **10(6):** ई01207918. डीओआई: 10. 1371/जर्नल. पोन. 0127918.
- शेखर, एस, भर, एल एम एवं गुप्ता, वी के (2014)। बहु सम्मित समानांतर लाइन आमापनों के लिए अपूर्ण ब्लॉक अभिकल्पनाएँ। *इंड. जे. कॉम्प्यूटेशनल एवं थियो.स्टेस्टिट*, **1(1),** 29-35.

- सिंह, एस, पॉल, ए के, पॉल, आर के, भर, एल एम, कुमार, ए एवं आलम, डब्ल्यू (2015)। विभिन्न संरचनाओं के अंतर्गत गाय के विकास की प्रकृति का अध्ययन। *मॉडल असिस्टेड स्टेस्टिट. एप्लीकेशन*, **10**, 109-115.
- सूद, यू सी, आदित्य, के, एवं चन्द्र, एच (2015)। स्थानिक लघु क्षेत्र मॉडल के अंतर्गत जिला स्तरीय फसल उपज का आकलन। *जे. इंड. सोस. एग्रिल. स्टेस्टिट.*, **69(1)**, 49-56.
- वर्गीस, सी, वर्गीस, ई, जग्गी, एस एवं भौमिक, ए (2015)। पॉलीक्रॉस परीक्षणों में खुले परागण के लिए परीक्षण अभिकल्पनाएँ। *जे. एप्लाइड स्टेस्टि.*, डीओआई: 10.1080/02664763.2015. 1043860.
- वानी, एम एच, शेहर, एच, पॉल, आर के, कुरुविला, ए एवं हुसैन, आई (2015)। बागवानी फसलों की आपूर्ति अनुक्रिया: जम्मू एवं कश्मीर में सेब और नाशपाती का एक केस। *एग्रिक. इको. रेस. रेव.*, **28(1)**, 83-89.

ई-लर्निंग पोर्टल

- गोयल, आर सी, सुदीप, ग्रोवर, आर बी एवं दहिया, आर (2015)। ई-कृषि शिक्षा: भविष्य की लाइब्रेरी की परिकल्पना में एक कृषि शिक्षा में ई-लर्निल पोर्टल। (2015, संपा. के. वीरंजनेयूलू, जी. राथिनासाबापथी, राजीव के. पटेरिया), *बीएस पब्लिकेशन*, आई एस बी एन 978-93-83635-58-0, 18-29.

प्रशिक्षण मैनुअल/ ई-मैनुअल

- मछली जिनोमिक के लिए जैवसूचना विज्ञान टूल (2015, संपा. इकबाल, एम ए, सारिका साहू, एल, रसल, डी के, सुंदारे, जे के, राय, ए एवं कुमार, डी)।
- परीक्षणों की डिजानिंग और विश्लेषण, संदर्भ मैनुअल, भाकृसांअसं, नई दिल्ली (2015, संपा. सरकार, एस एवं दास, एस)।
- गेहूँ में डाटा-सघन जिनोम विश्लेषण का संवर्धन। (2015, संपा., सारिका, शर्मा, पी, शियोरन, एस, मामुरथा, एच एम, इकबाल, एम ए, तिवारी, आर, राय, ए एवं कुमार, डी)।
- समेकित प्रतिदर्श सर्वेक्षण पद्धति (2015, संपा., चन्द्र, एच एवं आदित्य, के)।

परियोजना रिपोर्टें

- लाल, एस बी, शर्मा, ए एवं सारिका (2015)। जीन पूर्वानुमान, पादप आनुवांशिकी विश्लेषण और प्राइमर डिजाइन के लिए समानांतर वर्क फलो। एसआईएक्स 1219 भा.कृ.सां.अनु.सं./ पी.आर. -01/2015
- भारद्वाज, एस पी, सिंह, डी आर, सिंह, के एन, पॉल, आर के एवं पंवार, एस (2015)। समय श्रृंखला आँकड़ों का प्रयोग करते हुए कृषि जींस मूल्यों का पूर्वानुमान। एजीईएनआईएसआरआईएसआईएल 201300300004 भा.कृ.सां.अनु.सं./ पी.आर. -02/2015
- श्रीवास्तव, एस, लाल, एस बी एवं मिश्रा, डी सी (2015)। प्रोटीन संरचना की तुलना करने तथा इसके वेब कार्यान्वयन के लिए पद्धति। एजीईएनआईएएसआरआईएसआईएल 201300600007 भा.कृ.सां.अनु.सं./ पी.आर. -03/2015
- शर्मा, एन के एवं दास, एस (2015)। कृषि प्रणाली अनुसंधान परियोजना निदेशालय के अंतर्गत नियोजित ऑन फॉर्म अनुसंधान परीक्षणों का नियोजन, डिजाइन और विश्लेषण। एसआईएक्स0704 भा.कृ.सां.अनु.सं./ पी.आर. -04/2015
- पॉल, आर के, घोष, एच एवं गुरुंग, बी (2015)। लॉन्ग मेमोरी प्रसंस्करणों के साथ समय श्रृंखला की मॉडलिंग और पूर्वानुमान पर एक अध्ययन। एजीईएनआईएएसआईआईएसआईएल201300700008 भा.कृ.सां.अनु.सं./ पी.आर. -05/2015
- पॉल, आर के (2015)। संस्थाओं, प्रौद्योगिकियों और नीतियों (एनआरसीआरए) के माध्यम से जलवायु परिवर्तन के प्रति कृषि की प्रतिरोधिता का संवर्धन (निक्रा)। सीओपी 1112 भा.कृ.सां.अनु.सं./ पी.आर. -06/2015
- अहमद, टी, भाटिया, वी के, सूद, यू सी राय, ए एवं साहू, पी एम (2015)। कपास उत्पादन के आकलन के लिए एक वैकल्पिक पद्धति विकसित करने हेतु अध्ययन। (परामर्शी प्रक्रिया में)। भा.कृ.सां.अनु.सं./ पी.आर. -07/2015
- गुरुंग, बी, घोष, एच एवं पॉल, आर के (2015)। कृषि में चक्रीयता और उतार-चढ़ाव का वर्णन करने के लिए अरैखिक समय श्रृंखला मॉडलों के स्टार और एसवी परिवारों पर एक अध्ययन। जीईएनआईएएसआरआईएल201300800009 भा.कृ.सां.अनु.सं./ पी.आर. -08/2015

- सूद, यू सी, अहमद, टी एवं जैन, वी के (2015)। लघु क्षेत्र आकलन तकनीक का प्रयोग करते हुए एनएसएस को डाटा से जिला स्तरीय गरीबी आपतन का आकलन। एसओएक्स 1009 भा.कृ.सां.अनु.सं./ पी.आर. -09/2015

विकसित किए गए डाटाबेस

- आम एसएनपी की ब्राउजिंग के लिए आम एसएनपी डाटाबेस और वेब टूल विकसित किए गए (एम ए इकबाल, सारिका, यू बी अंगड़ी, अनिल राय एवं दिनेश कुमार)।
- CearlESTDb: अजैविक दबाव वाले जीनों, उनके एनोटेशन तथा अनाज फसलों के पाथवे के लिए एक डाटाबेस विकसित किया गया (संजीव कुमार, डी सी मिश्रा, अनिल राय, के के चतुर्वेदी, एस बी लाल एवं एम ग्रोवर)।
- सूचना का उपयोग करने के लिए ब्रासिका एसएसआर डाटाबेस और वेब टूल्स (एम ए इकबाल, सारिका, यू बी अंगड़ी, अनिल राय एवं दिनेश कुमार)।
- प्लांट एसएसआर डाटाबेस और वेब पोर्टल को अंतिम रूप दिया गया और लेख को जर्नल में प्रकाशित किया गया (एम ए इकबाल, सारिका, यू बी, अंगड़ी, अनिल राय एवं दिनेश कुमार)।

प्रदान किए गए आमंत्रित व्याख्यान

डॉ. सुदीप

- दिनांक 02-06 जून, 2015 के दौरान एनएएआरएम, हैदराबाद में आयोजित प्राथमीकीकरण स्थापन, निगरानी एवं मूल्यांकन (पीएमई) पर प्रबंधन विकास कार्यक्रम के संबंध में प्रशिक्षण कार्यक्रम में एफएमएस - एमआईएस और एचवाईपीएम के माध्यम से परियोजना निगरानी पर एक व्याख्यान प्रदान किया।

डॉ. एम ए इकबाल

- दिनांक 12-14 मई, 2015 के दौरान भा.कृ.अनु.प. - आई.आई.डब्ल्यू.बी.आर., करनाल में भा.कृ.अनु.प. - आई.आई.डब्ल्यू.बी.आर., करनाल और भा.कृ.अनु.प. -भा.कृ.सां.अ.सं., नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित गेहूँ में डाटा-संघन जिनोम विश्लेषण के संवर्धन पर कार्यशाला में डाटा क्लीनिंग एवं पूर्व-प्रसंस्करण, जिनोम असेम्बली और मेटाजिनोम विश्लेषण पर एक व्याख्या और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया।

डॉ. एस के सरकार

- दिनांक 05-25 मई, 2015 के दौरान जामिया मिलिया इस्लामिया (केंद्रीय विश्वविद्यालय) के यूजीसी - शिक्षण स्टॉफ कॉलेज में आयोजित मूल विज्ञान में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के संबंध में हाइपोथिसिस के परीक्षण पर एक व्याख्यान प्रदान किया।

डॉ. पी के मेहेर

- दिनांक 09-11 जून, 2015 के दौरान देहरादून में उत्तराखंड जैवप्रौद्योगिकी परिषद् द्वारा आयोजित पादपों में जैविक एवं अजैवकि दबाव सहिष्णुता के लिए माइक्रो आरएनए की संगणनात्मक पहचान पर कार्यशाला में आर-सॉफ्टवेयर का प्रयोग करते हुए बाइलोजिकल अनुक्रम विश्लेषण तथा द्वितीयक संरचना पूर्वानुमान पर एक व्याख्यान प्रदान किया।

प्रदान किए गए शोध पत्र

- दिनांक 07-08 मई, 2015 के दौरान बीएचयू, वाराणसी में बाजार आसूचना पर नेटवर्क विश्लेषण परियोजना की समीक्षा कार्यशाला - पॉल, आर के। सह-समेकन विश्लेषण (आमंत्रित वार्ता)।
- दिनांक 09-10 मई, 2015 के दौरान जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में कृषि संस्कृति द्वारा आयोजित कृषि, खाद्य अभियांत्रिकी और पर्यावरणीय विज्ञान - स्थायी अभिगमों पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (एएफईएसए) - 2015

- ग्रोवर, एम*, अंगड़ी, यू बी एवं शर्मा, एन (2015)। मशीन लर्निंग अप्रोचों का प्रयोग करते हुए प्रकाश संश्लेषण से संबद्ध नूतन प्रोटीनों की खोज के लिए मॉडलों का विकास।

- दिनांक 21-24 मई 2015 के दौरान आईआईवीआर, वाराणसी में आयोजित एआईसीआरपी - सब्जी फसल के 33वें समूह की बैठक
  - प्रसाद, आर*, दंडापानी, ए एवं दास, एस। एआईसीआरपी - सब्जी फसल के परीक्षणों के नियोजन और विश्लेषण के लिए सूचना प्रणाली।

- दिनांक 29-31 मई 2015 के दौरान भा.कृ.अनु.प. पूर्वी क्षेत्र अनुसंधान परिसर, पटना में आयोजित दक्षिण बिहार के केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूबी) द्वारा आयोजित गणित, सांख्यिकी और संगणक विज्ञान में नूतन उन्नतियों पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन
  - अहमद, टी*, सूद, यू सी एवं साहू, पी एम (2015)। भारत में बागवानी सांख्यिकी की स्थिति: एक नई पद्धतिबद्ध संबंधी पहल। (आमंत्रित वार्ता)।
  - राठौर, एस। सरसों के स्पॉट मूल्यों के पूर्वानुमान के लिए कृत्रिम न्यूरल नेटवर्क (एएनएन) का प्रयोग करते हुए एक उन्नत स्वसमाश्रयी भिन्नात्मक समेकित मूविंग एवरेज। (एआरएफआईएमए) मॉडल

- दिनांक 29 जून, 2015 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित नवां सांख्यिकी दिवस
  - चन्द्र, एच। लघु क्षेत्र आकलन के लिए कुछ नवोन्मेषी दृष्टिकोण (आमंत्रित वार्ता)।

सहभागिता

सम्मेलन/ कार्यशालाएँ/ प्रशिक्षण/ सेमिनार/ संगोष्ठियाँ आदि

- दिनांक 17 मार्च, 2015 को कृषि आर्थिकी एवं नीति अनुसंधान केंद्र संस्थान (एनआईएपी), नई दिल्ली में कृषि अनुसंधान एवं विकास के प्रभाव मूल्यांकन पर कार्यशाला (डॉ. आर के पॉल)।
- दिनांक 13 अप्रैल, 2015 को "हित धारकों और राष्ट्र के प्रति अभियांत्रिकी वैज्ञानिकों के योगदान को और अधिक सार्थक बनाने" पर कार्यशाला (डॉ. हुकुम चन्द्र)।
- दिनांक 13 अप्रैल, 2015 को एनएएससी परिसर, नई दिल्ली में भा.कृ.अनु.प. के शिक्षा प्रभाग द्वारा आयोजित अभियंताओं का सम्मेलन (डॉ. सीमा जग्गी)।
- इलेक्ट्रॉनिक निकेतन, सीजीओ कॉम्प्लेक्स में सीईआरटीएन. द्वारा आयोजित "उच्च एवं निरंतर जोखिम" पर कार्यशाला (डॉ. मुकेश कुमार)।
- दिनांक 17 अप्रैल से 16 मई, 2015 के दौरान भा.कृ.सां.अनु.सं.में एक माह का ओरियेंटेशन प्रशिक्षण। भा.कृ.सां.अनु.सं.के संगठनात्मक गठन के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। समस्त प्रभागों के वैज्ञानिकों से बातचीत की गई और उनके विभिन्न क्रियाकलापों - अनुसंधान, प्रशिक्षण और शिक्षण से संबंधित मूल्यवान सूचना प्राप्त की गई। इस प्रशिक्षण के अंतर्गत भाकृसांअसं, एनआईएपी, एनसीआईपीएम और एनबीपीजीआर का दौरा किया गया और उनके अनुसंधान क्रियाकलापों के बारे में भी जानकारी प्राप्त की गई। इसके अलावा, एनएएसएम का भी दौरा किया गया और प्राचीन सभ्यताओं की अनेक कृषि विधियों तथा संग्रहालय के बारे में एक संक्षिप्त जानकारी प्राप्त की गई (श्री सुनील कुमार)।
- प्रतिदर्श पद्धति को अंतिम रूप देने हेतु दिनांक 8 मई, 2015 को एनआरसी मांस, हैदराबाद में आयोजित "भैंसों को काटे जाने का प्रभाव और पशुधन, मांस, दूध, सूखा पाउडर पर मांस निर्यात नीति तथा पर्यावरण संतुलन" शीर्षक एपीईडीए वित्त पोषित परियोजना की पद्धति कार्यशाला (डॉ. ए के चौबे)।
- दिनांक 12-14 मई, 2015 के दौरान भा.कृ.अनु.प. - आईआईडब्ल्यूबीआर, करनाल में भा.कृ.अनु.प. - आई.आई.डब्ल्यू.बी.आर., करनाल और भा.कृ.अनु.प. - भा.कृ.सां.अ.सं., नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "गेहूँ में डाटा-सघन जिनोम विश्लेषण का संवर्धन" पर कार्यशाला (डॉ. दिनेश कुमार, एक संसाधन व्यक्ति के रूप में)।

- दिनांक 14-16 मई, 2015 के दौरान एनएससी परिसर, नई दिल्ली में आयोजित भा.कृ.अनु.प. निदेशकों का सम्मेलन (डॉ. यू सी सूद, डॉ. ए के चौबे एवं डॉ. मुकेश कुमार)।
- दिनांक 22 मई, 2015 को इलेक्ट्रॉनिक निकेतन, सीजीओ कॉम्प्लेक्स में सीईआरटी.एन द्वारा आयोजित "उच्च वेब अनुप्रयोग सुरक्षा" पर कार्यशाला (श्री राकेश कुमार सैनी)।
- दिनांक 28-29 मई, 2015 के दौरान एनसीएपी, नई दिल्ली में आयोजित भारत में कृषि अनुसंधान के प्रभाव मूल्यांकन पर कार्यशाला। (डॉ. आर के पॉल)
- दिनांक 25-29 मई, 2015 के दौरान ए. पी. शिंदे सभागार भवन, एनएएससी काम्प्लेक्स, नई दिल्ली में राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान निधि की चौथी वार्षिक समीक्षा कार्यशाला (डॉ. ए आर राव एवं श्री संजीव कुमार)।

प्रदान की गई परामर्शी/ सलाहकार सेवाएँ

- डॉ. हुकुम चन्द्र द्वारा दिनांक 25 अप्रैल, 2015 को डॉ अनिता मल्होत्रा, सह प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय को आँकड़ों के विश्लेषण के लिए उपयुक्त सांख्यिकी तकनीकों पर सलाह प्रदान की गई।
- डॉ. संतोष राठौर ने i) श्री सुंदर पाल कंटिया, पीएच.डी. छात्र, जी बी पंत, कृषि विश्वविद्यालय के "डलिया फसल में गामा विकिरणन के माध्यम से परिवर्ती प्रजनन" शीर्षक पर पीएच.डी. शोध पत्र का दिनांक 18 अप्रैल, 2015 को और ii) श्री अर्जुन सुतागाटी, कृषि विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के एम.एससी. शोध पत्र "चावल में प्रमुख नाशीजीवों के विरुद्ध कीटनाशकों की बायो-एपिकेसी" शीर्षक पर दिनांक 27 अप्रैल, 2015 को डाटा (एसएएस 9.2 में आरबीडी डिजाइन) का विश्लेषण।
- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने आनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग, बीएचयू, वाराणसी के डॉ. वी के मिश्रा को प्रमुख घटक विश्लेषण करने के लिए एसएएस कोड पर सहायता प्रदान की।
- डॉ. हुकुम चन्द्र द्वारा दिनांक 02 अप्रैल, 2015 को डॉ अनिता मल्होत्रा, सह प्राफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय को आँकड़ों के विश्लेषण के लिए उपयुक्त सांख्यिकी तकनीकों पर सलाह प्रदान की गई।
- संस्थान के सांख्यिकी अनुवांशिकी प्रभाग के एक वैज्ञानिक ने अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन, बीएचयू, वाराणसी के प्रो. डॉ. वी के मिश्रा को निर्धारण के गुणांक के विभिन्न प्रकारों का सिद्धांत प्रदान किया।
- श्री संतोष राठौर ने श्री आनंद कुमार, एम. टेक छात्र, यूएएस, रायचूर के डाटा का मैट लेब में विश्लेषण किया। दिनांक 8 मई, 2015 को भू-जल रिचार्ज के पूर्वानुमान में एएनएन के अनुप्रयोग पर शोधपत्र।
- श्री मृणमॉय रे ने डॉ. मधुबाला ठाकरे, वैज्ञानिक, भाकृअसं के क्लर इन्डेक्स डाटा का विश्लेषण किया।
- डॉ. एल्दो वर्गीस ने काबुल, अफ़गानिस्तान के एक अनुसंधानकर्ता, श्री अजीजुउल्ला खालिली को दो कंट्रोल ट्रीटमेंटों के साथ दो गुणन खंडों (तीन स्तरों पर प्रत्येक) को शामिल करते हुए परीक्षणों के विश्लोण की क्रियाविधि पर सलाह प्रदान की। विश्लेषण उपयुक्त विपर्यासों को विकसित कर तथा एसएएस का प्रयोग करते हुए संगणक प्रोग्राम विकसित कर किया गया। डॉ. वर्गीस ने डॉ. परिहार, वैज्ञानिक भा.कृ.अनु.प. - आईआईएमआर को स्पिलिट प्लॉट डिजाइन से गत वर्षों के दौरान प्राप्त किए गए आँकड़ों के एकीकृत विश्लेषण के लिए प्राक् मिश्रित एसएएस के उपयोग पर सलाह प्रदान की।
- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने i) फसल सुधार विभाग, कृषि कॉलेज, सीएसकेएचपीकेवी, पालमपुर के डॉ. स्वर्ण लता, प्रोफेसर (पादप प्रजनन) को दो पुनरावर्तनों और प्रति पुनरावर्तन 3 आकार के 15 ब्लॉकों में अल्फा अभिकल्पना का प्रयोग करते हुए आयोजित मक्का की 45 किस्मों पर अभिकल्पित परीक्षण से सर्जित 13 गुणों पर जिनोटाइपिक एवं फिनोटाइपिक प्रसरण-सहप्रसरण आव्यूह, के आकलन, जिनोटाइपिक एवं फिनोटाइपिक सहसंबंधों, वंशागतित्वता तथा सहवंशागतित्वता के आकलनों तथा पाथ विश्लेषणों

पर, ii) भा.कृ.अनु.प. - भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद के वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ. के अलीवेलू को सूरजमुखी पर राष्ट्रीय संकरीकरण कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित किए जाने वाले परीक्षणों के लिए (i) v=170, r=2, k=17, k=10; (ii) v=260, r=2, k=13, K=20, k=10; (iii) v=330, r=2, k=11, k=10, k=15 में अल्फा अभिकल्पनाओं के यादृच्छिकीकृत ले-आउट पर तथा iii) सूत्रकृमि विज्ञान प्रभाग, भा.कृ.अनु.प.- भाकृअसं, नई दिल्ली के प्रधान वैज्ञानिक, डॉ. अंजु कामरा को 5 पूर्णरूप से यादृच्छिकीकृत अभिकल्पना परीक्षणों के संबंध में आँकड़ों के विश्लेषण पर सलाह प्रदान की।

- डॉ. हुकुम चन्द्र ने दिनांक 09 जून, 2015 को भाकृसांअसं, नई दिल्ली में प्रतिदर्श अभिकल्पना पर सीआईएई, भोपाल, मध्य प्रदेश के परियोजना समन्वयक (एफआईएम) के डॉ. सी आर मेहता को सलाह प्रदान की।
- डॉ. सुशील कुमार सरकार ने गोपुश पर डाटा सेटों के पुनरावृत्त मापन विश्लेषणों पर एनडीआरआई, करनाल के डॉ. तुषार कुमार मोहंती को परामर्शी सेवाएं प्रदान कीं।
- डॉ. बी एन मंडल ने केंद्रीय पक्षीय विज्ञान अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर, उत्तर प्रदेश के डॉ. असीम कुमार विश्वास को 2 डाटा सेटों के लिए प्रसरण के द्वि-पथीय विश्लेषण पर परामर्शी सेवा प्रदान की।
- डॉ. एल्दो वर्गीस ने कृषि भौतिकी प्रभाग, भा.कृ.अनु.सं. के प्रभागाध्यक्ष, डॉ. प्रमिला कृष्णन को फसल स्थिति सूचकांक (सीएसआई) की संगणना के लिए न्यूनतम डाटासेट (एमडीएस) सृजित करने हेतु पीसीए निष्पादित करने के लिए एसएएस के प्रयोग पर सलाह प्रदान की।
- श्री प्रकाश कुमार ने पर्यावरण विज्ञान प्रभाग, भा.कृ.अनु.प. - भाकृअनुसं, नई दिल्ली के पीएचडी छात्र सुश्री श्वेता अमृता लाकड़ा को "जलवायु परिवर्तन के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए इन्फो क्राप मॉडलिंग का अंशाकन" शीर्षक पीएच.डी. शोध कार्य के डाटा के विश्लेषण के बारे में सलाह प्रदान की।
- श्री मृणमॉय रे ने भा.कृ.अनु.प. - भाकृअसं, नई दिल्ली को गैर प्राचलीकरण परीक्षण का प्रयोग करते हुए सामाजिक विज्ञान डाटा के विश्लेषण पर तथा डॉ. मधुबाला ठाकरे, वैज्ञानिक (भा.कृ.अनु.प. - भाकृअसं) को आरबीडी डिजाइन के विश्लेषण के बारे में सलाह प्रदान की।

कार्मिक

आपकी नियुक्ति पर बधाई

नाम	पदनाम	प्रभावी तिथि
श्री सुनील कुमार यादव	वैज्ञानिक	08.04.2015

आपकी पदोन्नति पर बधाई

नाम	पदनाम	प्रभावी तिथि
श्री संजीव पंवार	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी	18.03.2013
श्री हरि सिंह	तकनीकी सहायक	25.04.2013
डॉ. सिनी वर्गीस	प्रधान वैज्ञानिक	10.06.2013
डॉ. हुकुम चन्द्र	प्रधान वैज्ञानिक	07.09.2013
डॉ. अनिल कुमार	प्रधान वैज्ञानिक	17.12.2013
श्री जय भगवान	वरि. तकनीकी अधिकारी	27.08.2014
श्री विरेन्द्र कुमार	वरि. तकनीकी अधिकारी	15.09.2014
श्रीमती अनिता कोहली	निजी सचिव	04.04.2015

सेवानिवृत्त जीवन के लिए आपको शुभकामनाएँ

नाम	पदनाम	प्रभावी तिथि
श्रीमती आभा कांत	मुख्य तकनीकी अधिकारी	30.04.2015
श्री अनिल कुमार भल्ला	सहायक	30.06.2015
श्री छोटे लाल	एसएसएस	30.06.2015
श्री हीरा मनी	ड्राइवर (टी-2)	30.06.2015

भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अ.सं. समाचार

खण्ड 20 संख्या 01 अप्रैल-जून, 2015

संकलन एवं संपादन

यू सी सूद, अजीत एवं नरेश चन्द

प्रकाशक

निदेशक, भा.कृ.अनु.प.-भा.कृ.सां.अनु.सं.

लाइब्रेरी एवेन्यू, पूसा, नई दिल्ली-110 012 (भारत)

ई-मेल: director@iasri.res.in, director.iasri@icar.gov.in

pme@iasri.res.in, pme.iasri@icar.gov.in

वेबसाइट : www.iasri.res.in

दूरभाष: +91 1125841479

फैक्स: +91 11 25841564